

प्रेषक,

टीकम सिंह पेंवार,  
संयुक्त सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,  
उत्तराखण्ड पेयजल निगम,  
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून दिनांक ०७ जनवरी, 2008

विषय:-राज्य सैक्टर नगरीय जलोत्सारण योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2007-08 में बद्रीनाथ जलोत्सारण एवं श्रीनगर जलोत्सारण योजना के रखरखाव हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 2122/धनांवटन प्रस्ताव दिनांक 16.07.2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य सैक्टर की नगरीय जलोत्सारण योजनाओं हेतु अनुदान/ऋण के अन्तर्गत बद्रीनाथ जलोत्सारण एवं श्रीनगर जलोत्सारण योजनाओं के रखरखाव हेतु उपलब्ध कराये गये प्राक्कलनों क्रमशः रु० 8.75 लाख एवं रु० 4.90 लाख पर टी०ए०सी० वित्त के परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि क्रमशः रु० 7.36 लाख (रुपये सात लाख छत्तीस हजार मात्र) एवं रु० 3.91 लाख (रुपये तीन लाख इक्यानवे हजार मात्र) के प्राक्कलनों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही निम्न विवरणानुसार रु० 5.635 लाख (रुपये पाँच लाख तिरसठ हजार पाँच सौ मात्र) अनुदान एवं रु० 5.635 लाख (रुपये पाँच लाख तिरसठ हजार पाँच सौ मात्र) ऋण अर्थात् कुल रु० 11.27 लाख (रुपये ग्यारह लाख सत्ताईस हजार मात्र) की ही धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि रु० लाख में)

क्र० सं०	योजना का नाम	स्वीकृत लागत	स्वीकृत अनुदान	स्वीकृत ऋण	कुल स्वीकृत धनराशि
1	बद्रीनाथ जलोत्सारण योजनाओं का रखरखाव	7.36	3.68	3.68	7.36
2	श्रीनगर जलोत्सारण योजनाओं का रखरखाव	3.91	1.955	1.955	3.91
	योग	11.27	5.635	5.635	11.27

(रुपये ग्यारह लाख सत्ताईस हजार मात्र)६

2- स्वीकृत धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरयुक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके आहरित की जायेगी तथा आहरण से सम्बन्धित वाउचर संख्या व दिनांक की सूचना महालेखाकार उत्तरांचल, देहरादून तथा शासन को तुरन्त उपलब्ध करा दी जायेगी।

3- ऋण अंश के रूप में स्वीकृत धनराशि की वापसी एवं ब्याज अदायगी निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन होगी:-

(1) ऋण मद की स्वीकृति इस प्रतिबन्ध के साथ दी जाती है कि पूर्व में स्वीकृत ऋणों की अदायगी यदि अभी तक नहीं की गई हो तो ऐसी समस्त धनराशि का समायोजन किये जाने के बाद ही शेष धनराशि अवमुक्त की जायेगी।

(2) यह ऋण 15(पन्द्रह) समान किश्तों में व ब्याज सहित प्रतिदेय होगा। इस ऋण का प्रतिदान ऋण आहरण की तिथि से एक वर्ष बाद प्रारम्भ होगा। उक्त ऋण पर अन्तिम रूप से 15 (पन्द्रह) प्रतिशत की दर से ब्याज देय होगा, किन्तु निगम द्वारा समय-समय पर ऋण का प्रतिदान/ब्याज का भुगतान करने की दशा में 3-1/2 प्रतिशत की छूट दी जायेगी, यदि कालातीत न हों अर्थात् अन्तिम प्रभावी ब्याज की दर 11-1/2 (साढ़े ग्यारह) प्रतिशत होगी। ऋण/ब्याज का भुगतान प्रतिदान करने के बाद एक बार भी वित्तिथ होने पर ब्याज की दर में कोई छूट नहीं दी जायेगी।

(3) ऋणी/संस्था/समिति/कारपोरेशन/स्थानीय निकाय आदि प्रत्येक दशा में ऋण के आहरण की सूचना महालेखाकार (राजकीय) कार्यालय महालेखाकार (लेखा) प्रथम, उत्तरांचल को शासनादेश की प्रति के साथ कोषागार का नाम वाउचर संख्या, तिथि तथा लेखाशीर्षक सूचित करते हुए भेजे।

(4) ऋणी/संस्था/संस्थान जब भी ब्याज जमा करें महालेखाकार कार्यालय को सूचना निम्न प्रारूप पर अवश्य भेजें -

- (1) कोषागार का नाम
- (2) चलान संख्या व दिनांक
- (3) जमा धनराशि।
- (4) लेखा शीर्षक जिसके अन्तर्गत जमा किया गया किश्त ब्याज
- (5) शासनादेश संख्या एवं एस0एल0आर0 का संदर्भ किश्त ब्याज
- (6) पिछले जमा का सन्दर्भ।

(5) ऋणी संस्था आहरण के प्रत्येक वर्षगांठ पर अपने लेखों का निदान महालेखाकार के लेखों से अवश्य करें। भविष्य में शासन द्वारा ऋण तभी स्वीकृत किया जा सकेगा जब यह सुनिश्चित हो जाये कि ऋणी संस्था में इस प्रकार के वार्षिक लेखों का मिलान महालेखाकार कार्यालय के लेखों से



करा लिया है तथा प्रत्येक अवशेष ऋण की स्थिति यथा समय शासन को अवश्य उपलब्ध करा दें।

4- स्वीकृत धनराशि से कराये जाने वाले कार्यों पर उत्तर प्रदेश शासन वित्त लेखा अनुभाग-2 के शासनादेश सं०-ए-2-87(1)/दस-97-17 (4)/75 दिनांक 27.02.1997 के अनुसार सेन्टेज व्यय किया जायेगा तथा कार्यों की कुल लागत के सापेक्ष कुल सेन्टेज चार्ज 12.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। यदि योजना में इससे अधिक सेन्टेज व्यय होना पाया जाता है तो इसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व प्रबन्ध निदेशक, का होगा।

5- अनुदान की धनराशि का व्यय ऋण राशि के साथ ही किया जायेगा।

6- उपरोक्त योजनाओं हेतु स्वीकृत की जा रही धनराशि के दिनांक 31.03.08 तक पूर्ण उपयोग कर तथा वित्तीय/भौतिक प्रगति एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।

7- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, स्टोर पर्चेज रूल्स, डी०जी०एस० एण्ड डी०, टेंडर और अन्य समस्त वित्तीय नियमों का अनुपालन किया जायेगा।

8- व्यय उन्हीं मदों/योजनाओं पर किया जायेगा जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।

9-कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे। यदि एक मद/योजना हेतु स्वीकृत धनराशि का व्यय दूसरी योजनाओं पर किया जाना पाया जाता है तो इस हेतु विभागाध्यक्ष का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा।

10-स्वीकृत की जा रही धनराशि का वर्तमान वित्तीय वर्ष के समाप्ति से पूर्व तक पूर्ण उपयोग सुनिश्चित कर लिया जायेगा और उपयोग के उपरान्त अविलम्ब इसका उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा तथा शेष कार्यों हेतु धन प्राप्त कर इस प्रकार पूरा किया जायेगा कि लागत में वृद्धि न होने पाये।

11- यदि यह धनराशि आहरित करके अपने बैंक खाते में रखी जायेगी तो इस धनराशि पर समय समय पर आर्जेंट ब्याज को वित्त विभाग के दिशा निर्देशानुसार राजकोष में जमा कर दिया जायेगा।

12-जी०पी०डब्लू० फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई का कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।

13-मुख्य सचिव, उत्तरांचल के शासनादेश संख्या 2047 XIV-219(2006) दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन किया जाय।

14-उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में आय-व्ययक के अनुदान सं०-13 के अन्तर्गत अनुदान की धनराशि लेखाशीर्षक "2215-जलपूर्ति तथा सफाई-01- जलपूर्ति- आयोजनागत-101-शहरीजलापूर्ति कार्यक्रम-05 - नगरीय पेयजल-01 - नगरीय पेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं के लिए अनुदान-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता" के नामे तथा ऋण की धनराशि लेखाशीर्षक- "6215 -जलपूर्ति तथा सफाई के लिए कर्ज-02 मल-जल तथा सफाई- आयोजनागत - 800- अन्य कर्ज- 04- पेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं के लिए ऋण-00-30-निवेश/ऋण" के नामे डाला जायेगा।

15- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं०-704/XXVII (2)/08 दिनांक 02 जनवरी, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है।

भवदीय,

(टीकम सिंह पेंवार)  
संयुक्त सचिव

सं०-13/उन्तीस(2)/07-2(144पे०)/2007, तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
3. मण्डलायुक्त, गढ़वाल
4. जिलाधिकारी, देहरादून।
5. मुख्य महाप्रबन्धक/महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान।
6. सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड पेयजल निगम।
7. वित्त अनुभाग-2/वित्त(बजट सेल)/राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड
8. निजी सचिव, मा० पेयजल मंत्री, उत्तराखण्ड।
9. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
10. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
11. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तडागी)  
उप सचिव

070101002-10m